वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 194 | बुधवार 9 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में तेज बारिश, ओले गिरे

3 घंटे में 10 डिग्री गिरा तापमान, राजस्थान में चंद्रग्रहण के बाद सर्दी से कांपे लोग

जयपुर. कासं

चंद्रग्रहण के बाद जहां चांद लाल दिखा, वहीं राजस्थान में अचानक मौसम पलटा। शाम होते-होते तेज हवाएं चलने लगीं। मंगलवार देर रात जयपुर में तेज बारिश हुई। चौमूं के आस-पास के इलाकों में ओले गिरे। 3 घंटे में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो गई। ग्रहण देखने बिना गर्म कपड़ों में घर से बाहर निकले लोग ठिठुर गए। जयपुर में 18 KM की रफ्तार से चली हवा से जलमहल की पाल पर अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार अपना सामान बचाते दिखे। तेज हवा के साथ जयपुर, भरतपुर, अलवर में बारिश शुरू हो गई। गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर में भी बादल छाए रहे।

10 डिग्री तक गिरा तापमान

जयपुर में दोपहर 3 बजे तापमान 30 डिग्री सेल्सियस था, जो शाम साढ़े 6 बजे गिरकर 20 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। शहर में 18KM की रफ्तार से हवा चली। चौमूं के आस-पास और ढोढसर में ओले गिरे। अलवर जिले के बानसूर में ग्रहण के साथ ही करीब 6.30 बजे बारिश और तेज हवा चलने लगी। यहां

ग्रहण के कारण लोग पहले से ही घरों के अंदर मौजूद थे। अधिकतर दुकानें भी बंद नजर आईं। भरतपुर में दिन से ही बादल छाए रहे। जो शाम को ग्रहण के दौरान बरसे। लोगों को सर्दी का एहसास होने लगा। वहीं किसानों की चिंता बढ़ गई। दरअसल, अक्टूबर में मानसून की विदाई के दौरान ज्यादा बरसात होने से बुआई लेट हो गई थी। अभी भी भरतपुर जिले में सरसों और गेहूं की बुवाई पूरी नहीं हुई है।

3 डिग्री तक बढ़ गया न्यूनतम तापमान

मौसम में इस बदलाव का असर न्यूनतम तापमान में भी देखने को मिला। बादल छाने के कारण चूरू में रात का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। कल चूरू में न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था, जो आज 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसी तरह बीकानेर, जोधपुरके तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है।

इसलिए बढ़ा रात का पारा

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (नया वेदर सिस्टम) के कारण उत्तर से आने वाली ठंडी हवा अभी रुक जाती है। इसके साथ ही बादलों की लेयर वातावरण में निचले लेवल पर छा जाती है। इन बादलों और पृथ्वी की सतह के बीच प्रदूषण और गर्म हवा से तापमान में इजाफा होता है। जैसे ही वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सिस्टम चला जाएगा तो वातावरण से बादल हट जाएंगे और उत्तरी हवाएं मैदानी इलाकों तक पहुंचने लगेंगी।

राजस्थान के बेरोजगार युवाओं का गुजरात में आंदोलन स्थगित

मुख्यमंत्री गहलोत के आश्वासन के बाद राजस्थान रवानगी, 9 नवंबर को CMO में मीटिंग

जयपुर. कासं। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में गुजरात में चल रहा बेरोजगार युवाओं का आंदोलन स्थगित हो गया है। उपेन यादव ने बयान जारी कर इसकी घोषणा की। बीती देर रात अहमदाबाद 'द वेस्टर्न होटल' में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उपेन यादव के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल की वार्ता हुई ' जिसमें सीएम ने मांगें पूरी करने का आश्वासन देते हुए 9 नवम्बर जयपुर में CMO में बेरोजगारों के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया है। जिसके बाद बेरोजगार युवा गुजरात से राजस्थान रवाना हो गए।

गहलोत ने 9 नवंबर को वार्ता के लिए बुलाया

उपेन यादव ने कहा- सत्याग्रह आंदोलन अहमदाबाद गुजरात में किया जा रहा था। गहलोत के साथ 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की 45 मिनट तक बात हुई। गहलोत ने एक-एक प्रतिनिधि से बात की। सीएम ने कहा मैंने पहले भी युवा बेरोजगारों की मांग को पूरा किया है आगे भी पूरा करूंगा। गहलोत ने मांगों को नोट किया और अधिकारियों से कहा कि 9 नवम्बर को हमारे साथ बैठकर मीटिंग करें। सीएमओ में उट के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका और सचिव आरती डोगरा से वार्ता होगी और उसके बाद कई मांगों को पूरा किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया है।

प्रभात फेरी के साथ श्री निंबार्क जयंती महोत्सव उत्सव का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। सुदर्शन चक्रावतार श्री निंबार्क भगवान का 5118 वां प्राकट्य उत्सव मंगलवार को प्रभात फेरी के साथ शुरू हुआ। 13 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में चांदनी चौक जयपुर स्थित आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में विभिन्न आयोजन होंगे। मंगलवार को निकाली गई प्रभात फेरी आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर से प्रारंभ होकर श्री गोविंद देव जी के मंदिर, बड़ी चोपड़, जौहरी बाजार, गोपाल जी का रस्ता, चैड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार होते हुए पुनः चांदनी चैक पहुंचकर विसर्जित हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री निंबार्क भगवान के प्राकट्य उत्सव से संबंधित गीतों के साथ बधाई एवं पद गायन करते हुए नाचते गाते चल रहे थे। शोभा यात्रा मार्ग में श्री गोपाल जी के मंदिर और श्री राधा दामोदर मंदिर सहित विभिन्न स्थानों पर प्रभात फेरी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। श्री सर्वेश्वर संसद जयपुर की ओर से आयोजित श्री निंबार्क जयंती महामहोत्सव की श्रृंखला में बुधवार को सायं 5 बजे से श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर, त्रिपोलिया गेट के पीछे, जयपुर में मंगल बधाई गान तथा 6 बजे श्री निंबाकाचार्य पीठाधीश्वर जगतगुरू पूज्यपाद श्री 'श्री जी' महाराज का मंगलमय शुभ आगमन होगा। उनके ज्ञानोपदेश व आशीर्वचन के साथ सभी वैश्णव जनों द्वारा चरण वन्दना की जाएगी। साथ ही अन्य विशिष्ठ संत महंतो के दर्शन व सदुपदेश भी होंगे।

ठाकुर जी को लगाया 56 भोग प्रसादी का भोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

करतारपुरा स्थित मंदिर श्रीसाताराम जी रामदरबार में वैकुठ चतुदर्शी के अवसर पर 56 भोग का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण ठाकुर जी के जयकारों से गूंजता रहा। मंदिर के पंडित विक्रम शर्मा ने बताया कि इस दौरान ठाकुर जी के समक्ष अनुपम श्रंगार कर 56 भोग अर्पित किए गए। इस मौके पर भजनों के माध्यम से ठाकुरजी को रिझाया। इस अवसर पर मंदिर महंत राधेश्याम शर्मा, पंडित दुर्गादत्त शर्मा, ज्योतिषी रेखा शर्मा व शत्रुघ्न शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर भक्तों ने प्रसादी का आनंद भी लिया।

पुलिस महानिदेशक उमेष मिश्रा से मिले विश्वगुरु स्वामी महेश्वरानंद, दी बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुरु नानक जयंती के अवसर पर विष्वगुरु,परमहंस स्वामी महेश्वरानंद ने नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा से पुलिस महानिदेशक निवास स्थान पर मंगलवार को मुलाकात की और आशीर्वाद देते हुए डीजीपी बनने पर बधाई दी। इस अवसर पर स्वामी महेश्वरानंद के साथ ही महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी व ओम विष्वगुरुदीप आश्रम के सचिव कपिल अग्रवाल ने ओम आश्रम का छायाचित्र डीजीपी को भेंट किया। इस मौके वियना से आई मनसा देवी भी मौजूद रही।

सिद्ध चक्र महामण्डल अनुष्ठान मे पूजार्थियो ने 1024 श्री फल चढ़ाकर किया समापन

विश्व शांति महायज्ञ के साथ पूर्णाहुति आज

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के ससंध सानिध्य में सिद्ध चक्र मण्डल विधान मंगलवार को ब्रह्मचारी विधानाचार्य जिनेश भैया जयपुर के विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भक्ति भाव से 1024 श्री फल चडाक र समापन किया जिसमें सभी इन्द्र इन्द्राणियो ने संगीत के साथ भक्ति नृत्य किए। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि अग्रवाल जैन मंदिर में आठ दिन से चल रहे अनुष्ठान का मंगलवार को सभी इन्द्र इन्द्राणी भक्ति पूर्वक पूजा अर्चना कर समापन किया। जौंला ने बताया कि विधान के तहत सोधर्म इन्द्र सहित सभी इन्द्रो ने देव शास्त्र गुरु भगवान शांतिनाथ एवं गणाचार्य विराग सागर महाराज एवं आर्यिका विज्ञा श्री माताजी का पूजन किया गया। विधान मे अनेक जैन प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व विधान मे पूजार्थियो द्वारा भगवान जिनेन्द्र देव का क्षीरसागर के जल से चारों दिशाओं मे अभिषेक किया गया एवं आर्यिका संध तथा विधानाचार्य जिनेश भैया के मुखारविंद के द्वारा शांतिधारा की गई। विधान मे अंकित एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई जिसमें समवशरण की रचना में चक्रवर्ती वेशभूषा में सोधर्म इन्द्र महेन्द्र जैन सारसोप रामपाल जैन चंवरिया राजेश झांझरी ताराचन्द गोयल ज्ञानचंद भाणजा विनोद पाटनी महेन्द्र जैन चेनपुरा महावीर प्रसाद पराणा सुशील जैन आरामशीन महेन्द्र चंवरिया सुनील भाणजा दिनेश गिन्दोडी. त्रिलोक सिरस राजेश सांवलिया सत्यनारायण जैन मोठूका विष्णु बोहरा नेमीचंद जैन प्रदीप जैन विमल झिलाय हेमचंद संधी पारस जैन प्रेस विमल दलाल लालचंद जैन पदमचंद बहड़ नीरा जैन शकुंतला भाणजा अनीता गोयल पदमा जैन पिंकी कठमाणा मीनाक्षी जैन हेमलता जैन मेना पराणा प्रियंका जैन सिरस ने जमकर भक्ति नृत्य किया। जौंला ने बताया कि बुधवार को विधान का समापन के अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ किया जाएगा जिसमें पूजार्थियो द्वारा हवन कुण्डो मे आहुतियां दी जाएंगी। इस दौरान विधान स्थल पर वषायोग मंगल कलशों का वितरण किया जाएगा।

मुनि श्री आदित्य सागर एवं मुनि श्री अप्रमित सागर का मुनि दीक्षा दिवस संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज एवं इंदौर नगर गौरव मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज का बारवां मुनि दीक्षा दिवस समारोह पूर्वक स्मृति नगर में उमंग और उत्साह से मनाया गया। समारोह में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए मुनि द्वय ने कहा कि आज का दिन आपके लिए भले ही मुनि दीक्षा दिवस हो लेकिन हमारे लिए तो आज का दिन गुरु उपकार दिवस है। हम आज जो कुछ हैं वह सब हमारे दीक्षा गुरु आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के द्वारा दी गई शिक्षा दीक्षा एवं संयम, रतनत्रय, और महाव्रतों का पालन करने के लिए दिए गए संस्कारों का सुफल है, गुरु ने हम कंकर को शंकर बना दिया उनके इन उपकारों का ऋण तो हम नहीं चुका सकते लेकिन उनके उपकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए यह संकल्प लेते हैं कि जीवन पर्यंत गुरु की आज्ञा का पालन एवं उनके बताए मार्ग का अनुसरण और आगम अनुसार चर्या करते हुए हम नमोस्तु शासन को जयवंत करते रहेंगे।

DJSG –संस्कारो का शंखनाद कार्यक्रम आज भट्टारक जी की नसियाँ में

इंदोर से पधारी फ़ेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणी सरंक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल का जयपुर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में आचार्य सुनील सागर वषायोग समिति 2022 के सहयोग से आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप संगिनी फारएवर द्वारा संस्कारो का शंखनाद कार्यक्रम आज दिनांक 9 नवम्बर को दोपहर 1 बजे से भट्टारक जी की नसियाँ मे आयोजित किया जाएगा । रीजन अध्यक्ष राजेश - सीमा बड़जात्या ने बताया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिये इंदोर से फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणी सरंक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राकेश - कल्पना जी बिंदायका, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश - मनोरमा जी दोसी पधारे। इन सभी का भव्य स्वागत माला पहनाकर किया। रीजन महासचिव निर्मल-सरला संघी ने बताया कि इस अवसर पर रीजन निवर्तमान अध्यक्ष यश कमल - संगीता अजमेरा , रीजन पूर्व अध्यक्ष अतुल-निलिमा बिलाला, संगिनीफारएवर ग्रूप की अध्यक्षा श्रीमती शकुन्तला-महावीर बिंदायका, सचिव सुनिता गंगवाल, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन , व संगिनी ग्रूप की सदस्य गण उपस्तिथ थे। आज आयोजित होने वाले कार्यक्रम मे जयपुर के दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप्स , महिला मंडल तथा युवा मंडलो में कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए काफी उत्साह है। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक भारत भूषण अजमेरा ने बताया कि नवीन जैन IAS (शासन सचिव - पंचायती राज विभाग, राजस्थान) द्वारा सामाजिक व सांस्कृतिक परिदृश्य और महिलाओ की भूमिका विषय पर विशेष प्रस्तुति देंगे। रीजन कोषाध्यक्ष पारस - मंजू जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मंच संचालन मनीष वैद कार्यक्रम समन्वयक करेंगे।

अमर जैन डब्ल्यूएचसी अस्पताल लेकर आ रहा 26 बेड का मॉड्यूलर आईसीयू

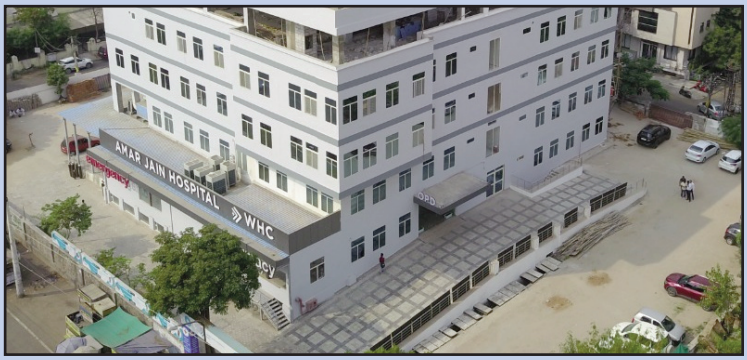

जयपुर. शाबाश इंडिया

1971 से चिकित्सा के क्षेत्र में जयपुर का जाना अमर जैन डब्ल्यूएचसी अस्पताल राजस्थान में पहली बार 26 बेड का आईसीयू मॉड्यूलर आईसीयू लेकर आ रहा है। जयपुर में आने वाले मल्टी स्पेशियलिटी अस्पतालों में से एक यह एक मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल है। अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर केजी कुमावत ने बताया कि अमर जैन अस्पताल रोगी देखभाल के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। इसकी स्थापना वर्ष 1971 में तकनीकी रूप से उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाओं के देने की दृष्टि से की गई थी। हम वैशाली नगर, जयपुर में आने वाले मल्टी स्पेशियलिटी अस्पतालों में से एक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अत्याधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे के साथ, राजस्थान का पहला मॉड्यूलर आईसीयू, 24 घंटे आपातकालीन देखभाल, 150 बिस्तरों का, अमर जैन अस्पताल जयपुर में ईमानदार स्वास्थ्य सेवा के परिदृश्य को बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। अस्पताल जनित संक्रमण रोकने क्रांतिकारी कदम जो चिकित्सा जगत का दशा और दिशा बदल देगा। वर्तमान परिपेक्ष में अस्पताल जनित संक्रमण बहुत बड़ी जटिल समस्या बनती जा रही है। नए एंटीबायोटिक का आविष्कार मुश्किल होने के कारण यह समस्या और अधिक विकराल बनती जा रही है। जिसकी वजह से जन-धन की अपार हानि हो रही है। इस समस्या को नियंत्रण करने के लिए डब्ल्यूएचसी और अमर जैन अस्पताल वैशाली नगर जयपुर, नए 26 बेड एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित देश का पहला राजस्थान की शान मॉड्यूलर आईसीयू का निर्माण किया जा रहा है जिसमें कोरोना, सेप्टीसेमिया, मरीज से मरीज को होनेवाले क्रॉस इंफेक्शन को रोकने में सहायता होगी।

मंगल मार्ग मौहल्ला समिति पारीवारिक दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। मंगल मार्ग मौहल्ला समिति का पारिवारिक दीपावली मिलन समारोह चतर साहब के लान में समिति के अध्यक्ष हीरा चन्द बैद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मौहल्ला वासियों ने एक दूसरों को दीपावली की बधाई दी । संस्थापक आर.के.चतर ने समिति का परिचय देते हुए बताया कि समिति की स्थापना को 30वर्ष हो गये है। समारोह में नये सदस्य सी.ए. क्षितिज जैन व परिवार का स्वागत किया गया। समारोह में वयोवृद्ध सदस्य जे.पी.गुप्ता, डा.केवल गुप्ता, राजेन्द्र कचोलिया, शांति लाल गंगवाल, लोकेश अग्रवाल, राकेश चतर उपस्थित थे।अन्त में सचिव राजेन्द्र सराफ ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए दीपावली की बधाई दी।

गोविंद सिंह बने स्टाफ क्लब अध्यक्ष

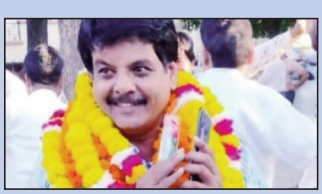

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय अशैक्षणिक कर्मचारी संघ स्टाफ क्लब चुनाव-2022 में गोविंद सिंह अध्यक्ष पद पर भारी बहुमत से जीते। महासचिव पद पर अभिषेक शर्मा निर्वाचित हुए। चार साल बाद विश्वविद्यालय में हुए स्टाफ क्लब में कुल 325 कर्मचारियों ने मतदान किया। जिसमें से गोविंद सिंह ने 205 मत प्राप्त कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। साथ ही सहायक कर्मचारी संघ स्टाफ क्लब में बजरंग लाल मीणा अध्यक्ष, विजय सेन महासचिव पद पर निर्वाचित हुंए ।

वेद ज्ञान

अपनी शक्ति को पहचानें...

नाकामी कोई पसंद नहीं करता। हर व्यक्ति सफल होना चाहता है, परंतु सफलता के लिए कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास, एकाग्रता एवं लगन की आवश्यकता होती है। लोग उन रास्तों पर चलना पसंद ही नहीं करते जहां जरा भी नाकामी का अंदेशा हो। नाकामी के डर का हिम्मत से सामना करना व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाता है। अक्सर नाकामी के डर से हम अपनी क्षमताओं को आजमाने के स्थान पर उन पर अंकुश लगाना प्रारंभ कर देते हैं। फलस्वरूप बिना प्रयास के ही अपने को असफल मान लेते हैं। यहां समस्या हमारी सोच की है। हमारा मन कामयाब होने की सोच के स्थान पर अपने को हारा हुआ महसूस करता है। ऐसे में हम अपनी क्षमताओं, योग्यताओं, सुनहरे अतीत एवं जीतने की शक्ति होने के बावजूद भी उस पक्षी की भांति हो जाते हैं जिसके पास पंख तो हैं, पर उड़ने का साहस नहीं। नाकामियों की लंबी सूची के बाद भी कामयाबी की संभावना बनी रहती है और यह जरूरी तो नहीं कि आप हर बार नाकामयाब ही हों। लोगों में अपनी छोटी-छोटी असफलताओं के लिए खुद को कोसने की आदत होती है। जीवन बहुत बड़ा है। आप एक परिस्थिति या अवसर से वंचित हुए हैं, जीवन की असीम संभावनाओं से नहीं। फिर भी अपनी पूरी शक्ति संगठित करके एकाग्र होकर संकल्प दोहराएं तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। जब हम नाकामयाब होते हैं तो खुद को उस स्थिति से निकालने के लिए दूर भागते रहते हैं। सही है दर्द को कौन झेल सकता है, लेकिन हमें उस स्थान पर रहकर अपनी परिस्थितियों में सुधार लाना चाहिए। अगर चूक हुई है तो हिम्मत नहीं हारनी है, अपनी कमजोरी को सुधार कामयाबी की ओर बढ़ें। कोशिश करें, यह कदम फिर से आपको सफलता की ओर ले जाएगा। अवसाद में डूबे रहने से सफलता नहीं मिलती, हमें खुद में परिवर्तन करने होंगे। खुद को अपना दोस्त बनाएं और परिस्थितियों का विश्लेषण करें, असफलता के कारणों पर विचार करें, सफल होने की नई रणनीति बनाकर उस मार्ग पर आगे बढ़ें। एक सफल व्यक्ति की तरह व्यवहार करें।

संपादकीय

साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है समस्या

वायु प्रदूषण को लेकर एक बार फिर सरकारों के माथे पर बल नजर आने लगा है। खासकर दिल्ली में दिवाली के बाद यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है, जिसके चलते स्कूल बंद करने और दिल्ली सरकार के आधे कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। इसे लेकर दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित किया और ईमानदारी से स्वीकार किया कि पराली जलाने के मामले में वे अपेक्षित कमी नहीं ला पाए। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले साल तक पराली जलाने पर पूरी तरह लगाम लगा ली जाएगी। इससे जुड़े उपायों का विवरण भी उन्होंने दिया है। चूंकि दोनों जगह आम आदमी पार्टी की सरकार है, इसलिए दोनों मुख्यमंत्रियों ने मिल कर इस पर सफाई पेश की। इससे पहले जब पंजाब में आम

आदमी पार्टी की सरकार नहीं थी, तब दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण के लिए पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया करती थी। अब वह ऐसा नहीं कर सकती, इसलिए लोगों के सवालों से बचने का यह तरीका निकाला गया। यह ठीक है कि जब किसी राज्य में पराली या औद्योगिक इकाइयों का धुआं उठता है, तो वह केवल उसी राज्य तक सीमित नहीं रहता। हवा चलती है तो पड़ोसी राज्य भी उससे प्रभावित होते हैं। मगर इस आधार पर कोई सरकार प्रदूषण का दोष दूसरे राज्यों पर डाल कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को आए अभी छह महीने हुए हैं और धान तथा गेहूं की फसल के बीच मुश्किल से दस-बारह दिन का समय मिलता है, इसलिए किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। उनका दावा है कि उन्होंने पराली निस्तारण के लिए मशीनें खरीदी हैं और संयंत्र लगाया है, जो पराली से गैस आदि का उत्पादन करेगा। सेटेलाइट के जरिए पराली जलाने पर नजर रखी जा रही है। हालांकि पराली जलाने की प्रवृत्ति कोई नई नहीं है। यह पिछले कई सालों से बनी हुई है और हर साल इसमें कुछ बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। पिछले साल दिल्ली सरकार ने पराली को खेत में ही गलाने के लिए एक विशेष प्रकार के घोल का प्रचार किया था। उसका दावा था कि इससे पराली जलाने की समस्या समाप्त हो जाएगी। वह घोल सरकार किसानों को मुफ्त मुहैया करा रही थी। फिर क्या हुआ कि वह घोल इस साल खेतों में नहीं छिड़का गया? दरअसल, हर साल जब वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाता है, तो दिल्ली सरकार तदर्थ उपायों से इस पर काबू पाने का प्रयास करती है। पेड़ों पर पानी छिड़कने, निर्माण कार्य रोक देने, वाहनों में सम-विषय योजना लागू करने जैसे उपाय आजमाए जा चुके हैं। इसी तरह स्मॉग टावर लगा कर दावा किया गया कि इससे प्रदूषण को सोख लिया जाएगा। दिल्ली में बाहर से आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पहले ही वर्जित है, ज्यादातर चार पहिया और सभी तिपहिया वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल होता है। फिर भी प्रदूषण का स्तर काबू में नहीं आ रहा, तो इस पर परदा डालने के लिए दिल्ली और पंजाब सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भागीदारी का तंत्र

उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में राज्य की मूल निवासी महिलाओं के लिए आरक्षण पिछले कुछ समय से बहस का मुद्दा बना हुआ था। खासकर जब उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्य की मूल निवासी महिलाओं को तीस फीसद आरक्षण दिए जाने के एक शासनादेश पर रोक लगा दी थी तब इस विशेष अधिकार को लेकर बहस खड़ी हुई थी। उच्च न्यायालय के उस फैसले में बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों की आपत्ति को एक तरह से स्वीकार्यता मिली थी कि कोई भी राज्य सरकार जन्म और स्थायी निवास के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकती। हालांकि इस फैसले के खिलाफ उत्तराखंड सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी कि स्थानीयता के आधार पर राज्य की महिलाओं को आरक्षण दिया जाना सही है। मगर अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा कर एक तरह से उत्तराखंड सरकार के पक्ष को सही ठहराया है। जाहिर है, अब एक बार फिर राज्य के अलग-अलग महकमों में वहां की मूल निवासी महिलाओं को तीस फीसद आरक्षण मिल सकेगा। मगर इसके साथ ही उत्तराखंड से बाहर की अभ्यर्थियों के लिए वहां अवसरों का दायरा छोटा होगा। दरअसल, देश भर में अलग-अलग राज्यों में स्थानीय निवासियों के लिए नौकरियों में कुछ खास हिस्सा आरक्षित किए जाने का मसला अब एक बहस की शक्ल ले रहा है। मुख्य दलील यह है कि देश में अगर राज्यों में स्थानीयता को आरक्षण का आधार बनाया जाता है तो यह संविधान में दर्ज प्रावधानों का उल्लंघन है। इसलिए किसी भी राज्य सरकार को नौकरियों में आरक्षित श्रेणी तय करने के लिए जन्म और स्थायी निवास को आधार नहीं बनाना चाहिए। इस तर्क के संदर्भ में देखें तो उत्तराखंड में मूल निवासी की पहचान वाली महिलाओं को आरक्षण दिए जाने का मामला है। लेकिन कुछ अन्य राज्यों में स्थानीय या स्थायी निवास के आधार पर नौकरियों में अवसर आरक्षित करने को लेकर पहल हुई, कहीं लागू किया गया तो कहीं इस पर बहस हुई। पिछले कुछ सालों से यह देखा गया है कि राज्यों की नौकरियों में स्थानीय आबादी के लिए सीटें आरक्षित करने की कोशिश ने जोर पकड़ा है। हालांकि राष्ट्रीय संदर्भों में इसे लेकर अक्सर सवाल भी उठते रहे हैं कि एक देश का नागरिक होने के नाते किसी व्यक्ति के लिए उनके मूल राज्य से बाहर के राज्यों में अवसरों को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। अब उत्तराखंड में स्थानीय महिलाओं को तीस फीसद आरक्षण दिए जाने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद संभव है कि स्थानीय आबादी के लिए नौकरियों में अवसर आरक्षित करने को लेकर एक नया आधार मिले। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में महिलाओं को तीस फीसद आरक्षण देने के मामले में मूल निवासी होने के आधार को सही माना है, तो यह अन्य राज्यों के लिए भी नजीर बन सकता है। देखने की बात होगी कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला क्या स्थानीयता के आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण से बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों के अवसरों को भी प्रभावित करेगा। इस व्यवस्था के समर्थन और विपक्ष में कई तरह की दलीलें रही हैं। स्थानीय प्रतिभाओं के विकास से लेकर उन्हें अवसर देकर राज्य के हित में उनकी क्षमताओं का इस्तेमाल करने पर एक आम राय बनती रही है। इसी का विस्तार उत्तराखंड में महिलाओं को दिए जाने वाले विशेष आरक्षण के रूप में आया, जिसमें तंत्र में महिला भागीदारी बढ़ने की संभावना भी देखी जा सकती है।

धन धर्म ध्यान का साधन है : आचार्य श्री सुनील सागर

ने किया चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान के सप्तम दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे हर्षवर्धन जैन तिलक नगर परिवार ने। पूज्य आचार्य भगवंत को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। दिनांक 9 नवम्बर को कल्पद्रुम विधान महामंडल के समापन पर प्रातः 6:30 जलाभिषेक पंचामृत अभिषेक और शांति धारा होगी विधानमंडल में समस्त 24 पूजाऐं संपन्न हुई। आज नित्य नियम पूजा के पश्चात विश्व शांति हेतु हवन यज्ञ होगा। आचार्य भगवन्त श्री सुनील सागर गुरुवर ने बताया कि श्रावकों को आत्म कल्याण की भावना रख कर , तत्वार्थ सूत्र का अध्ययन अवश्य करना चाहिए जिन चक्रवर्तीयों ने कर्मों का संवर निर्जरा किया है वे मोक्ष चले गये। धन, धर्म ध्यान का साधन है। श्रावक के पास

पूर्व मुख्य मंत्री वसुन्धरा राजे ने लिया आचार्य श्री से आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारकजी की नसिया में आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज ससंघ चतुर्मास का समापन और गुरुदेव का विहार दिनांक 10 नवम्बर को प्रातः 6:00 भट्टारक जी की नसिया से मारू जी का चौक जोहरी बाजार के लिए होगा । प्रातः कल्पद्रुम विधानमंडल के तहत भगवान श्री जी को मस्तक पर लेकर पंडाल में विराजमान किया ।भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ , उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया।पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठा चार्य प. सनत कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान का विधिवत शुभारंभ किया ।आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए मारू जी का चौक जैन मंदिर के सभी पदाधिकारी गण व शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले व अन्य ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया , मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या

वसुंधरा राजे ने लिया आचार्य श्री से आशीर्वाद

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने भट्टारक जी की नशियां मे आचार्य श्री सुनील सागर जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अशोक परनामी तथा पूर्व भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष संजय जैन भी थे । वसुन्धरा राजे ने गुरुवर से प्रश्न किया -आपका मठ कहां पर है गुरुवर के चेहरे पर मुस्कान आ गई, श्रावकों ने पूर्व मुख्यमंत्री महोदया को बताया गुरुवर का कोई मठ नहीं है, आज जयपुर में चतुर्मास है, कल कहीं और गुरुदेव चले जाएंगे ।

परिग्रह है, तो चलेगा पर साधु के पास नहीं होना चाहिए।इन सब की सीमा होनी चाहिए, आरंभ परिग्रह के प्रति अधिक आसक्ति नहीं होनी चाहिए ।स्वभाव में सदैव मृदुता को रखना चाहिए।

अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ की नवीन कार्यकारिणी गठित

जयपुर. शाबाश इंडिया

2 अक्टूबर 2006 विजयादशमी के पावनपर्व पर मानवीय मूल्यों की स्थापना का विश्वास व जैनत्व के संस्कारों का कीर्तिध्वज फहराने की लालसा लेकर मीडिया के प्रभावी युग में जैन पत्रकारिता को नयी दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से गठित अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ की नवीन कार्य कारिणी का गठन किया गया। यह समिति तीन वर्ष के लिए कार्यरत रहेगी। स्मरण रहे कि अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ एक रजिस्टर्ड न्यास के अन्तर्गत कार्यरत हैं जिसके पांच न्यासी हैं। न्यास के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चंद डण्डिया हैं। नवीन कार्यकारिणी हेतु अध्यक्ष का चयन सर्व सम्मति से गत माह तीर्थराज सम्मेदशिखर जी में आचार्य प्रमुख सागर जी के ससंघ सान्निध्य में हुआ था। अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी का गठन निम्न प्रकार

1.अध्यक्ष- श्री शैलेन्द्र जैन एडवोकेट अलीगढ़ (उ.प्र.)
2.चेयर पर्सन- डा.चीरंजीलाल बगडा-संपादक-दिशाबोध, कोलकाता (प.बंगाल)
3.कार्याध्यक्ष-डा.सुरेन्द्र भारती, संपादक-पार्श्वज्योति-बुरहानपुर (म.प्र.)
4.उपाध्यक्ष-श्री प्रदीप जैन,संपादक-दै.विश्वपरिवार-रायपुर(छ.ग.)
5.श्री किशोरभाई भण्डारी,जाज्वल्य मीडिया,पुणे(महा.)
6.उपाध्यक्ष-श्री शैलेष कापड़िया,संपादक-जैनमित्र-सूरत(गुजरात)
7.उपाध्यक्ष-श्री जगदीश प्रसाद जैन,संपादक-जैसवाल दर्पण,आगरा (उ.प्र.)
8.श्री शांतिनाथ होतपेटे, संपादक-जिनेन्द्र वाणी, हुबली (कर्नाटक)
9.श्रीमती पारुल जैन,स्वतंत्र पत्रकार, दिल्ली
10.डा.सुशीला सालगिया संपादक सन्मति वाणी, इन्दौर (म.प्र.)
11.महामंत्री- डा.अखिल बंसल,संपादक-समन्वय वाणी,जयपुर(राज.)
12.राष्ट्रीय प्रवक्ता -श्री अनूपचंद एडवोकेट, संपादक जैन संदेश फिरोजाबाद (उ.प्र.)
13.राष्ट्रीय प्रवक्ता -डा.संजीव भानावत, संपादक कमन्यूकेशन टुडे जयपुर(राज.)
14.राष्ट्रीय प्रवक्ता -श्रीमती रुचि चौविश्या, इन्दौर (म.प्र.)
15.मंत्री-डा.राजीव प्रचण्डिया,संपादक -जय कल्याणश्री, अलीगढ़ (उ.प्र.)
16.संयुक्त मंत्री-श्री दिनेश धगड़ा,संपादक-जैन जनवाणी, कोलकाता (प.बंगाल)
17.मीडिया प्रभारी - श्रीमती अनुपमा जैन, फाउंडर जेनर नैट,हावडा(प.बंगाल)
18.मीडिया सह प्रभारी - श्री राहुल जैन,आजतक टीवी,नौएडा(उ.प्र.)
19.प्रचार मंत्री-श्री मयंक जैन, अलीगढ़ (उ.प्र.)
20.संगठन मंत्री- सचिन जैन संपादक सत्यार्थी मीडिया टूंडला (उ.प्र.)
21.सदस्य का.कारिणी-श्री जिनेश कोठिया, दिल्ली
22.सदस्य का.कारिणी- श्री हेमंत जैन,संपादक-दै.बिजनेस दर्पण,इन्दौर(म.प्र.)
23.डा.अल्पना जैन, मालेगांव (महा.)
24.डा.मीना जैन, उदयपुर (राज.)
25.श्री रजत कुमार जैन,ईशरी-पारसनाथ(झारखंड)
26.डा.संगीता बिनायका,संपादक-परिणय प्रतीक, इन्दौर (म.प्र.)
27.डा.अनेकांत जैन संपादक पागद भासा, दिल्ली
28.डा.बी.एल.सेठी जयपुर
29.डा.विकास जैन बानपुर
30.श्री अनुराग जैन संपादक अजमेर टुडे अजमेर (राज.)
31.श्री राकेश जैन अनुरागी,बड़ोदरा (गुज.)

☆★☆

लीनेस क्लब स्वरा का फैशन शो

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब स्वरा द्वारा एथनिक थीम एव वेस्टर्न थीम पर फैशन शो का आयोजन किया गया। एग्रो केअर फैशन मेनिया में सदस्यों ने एथनिक एव वेस्टर्न थीम पर कैट वाक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब की सलाहकार अंजू जैन ने की। यह जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष स्वाति जैन और सचिव मोना जैन ने बताया कार्यक्रम की शुरूआत आकांक्षा हाड़ा द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ की गई। फैशन शो का उद्देश्य महिलाओ की प्रतिभा को एक प्लेटफार्म देना था। शो में मिसेज एथनिक साधना जैन, मिसेज बोल्ड एन्ड ब्यूटी अमृता जैन सोनी, बेस्ट रैंप वॉक शिखा जैन, प्राची जैन बेस्ट अटायर शोभा व्यास, आयुषी जैन मोस्ट अट्रैक्टिव दिवा रुचि जैन, यामिनी गुप्ता को चुना गया। सभी को इंद्रा जैन द्वारा अवार्ड्स दिए गए। शो का जजमेंट पूजा परिहार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लीनेस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट उषा भंडारी, मल्टीपल प्रेसिडेंट वीना पारेख,डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटर अंजना जैन एव अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय इंटरनेशनल स्टोरी टेलिंग फेस्टिवल 'उदयपुर टेल्स' 11 से

बॉलीवुड से विनय पाठक व सुष्मिता मुखर्जी संग लेकसिटी से विलास जानवे भी बनेंगे भागीदार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मां माय एंकर फाउण्डेशन द्वारा कोरोनाकाल को छोड़कर पिछले तीन साल से प्रतिवर्ष आयोजित 'उदयपुर टेल्स' तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कहानी समारोह इस साल 11 से 13 नवंबर तक सज्जनगढ़ रोड़ स्थित बम्बूसा रिसोर्ट में आयोजित होगा। फाउण्डेशन की को-फाउंडर सुष्मिता सिंघा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य कहानी कहने की मौखिक परंपरा को लोकप्रिय बनाने का एक प्रयास है। ऐसे में कहानी कला से जुड़े दुनिया के कुछ जाने-माने नाम इस दौरान परफॉर्म करेंगे। जिसमें मुख्य रूप से प्रसिद्ध थिएटर, टीवी और फिल्म अभिनेता विनय पाठक, सिने स्टार सुष्मिता मुखर्जी, प्रसिद्ध सूफी गायिका रूहानी सिस्टर्स, वरुण नारायण, पत्रकार शांतनु गुहा रॉय, लेकसिटी के वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे के अतिरिक्त श्रीलंका से डॉ. सनथुसिया फर्नांडो, लखनऊ से दास्तानगो हिमांशु बाजपेयी, थिएटर कलाकार और पृथ्वी थिएटर से जुड़े आधार खुराना, यूनिवर्सल म्यूजिक के पृथ्वीराज चौधरी, प्रसिद्ध समूह इबादत, अनुरागा और अर्चित डैनियल अपने इंडो वेस्टर्न बैंड और गुजरात के पवारी लोक नर्तक अपनी अभिनव विधाओं का जादू बिखेरेंगे। प्रेस से बातचीत में सलिल भण्डारी ने बताया कि यह मंच ऐसे ज्ञान और मनोरंजन की परिकल्पना करता है जहां बच्चों सहित युवा और उम्रदराज लोग भागीदार बनकर कहानी कथन का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि फेस्टिवल का चौथा संस्करण इतिहास, रोमांस, रहस्यवादी, रहस्य के अलावा लोक-कला प्रदर्शनों और फ्यूजन संगीत रूपों के उदार मिश्रण से जादुई क्षणों को यादगार बना देगा। गौरतलब है कि अगले बरस आयोजित पांचवें संस्करण में भागीदारी सुनिश्चित करने वाले कथाकारों के लिए ओपन माइक सत्र हर दिन शाम 5 से 5.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। बाकी नित्य प्रति सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 और शाम 6 से रात्रि 9 बजे के दोनों सत्र में किस्सागोई के शौकीन शहरवासी भागीदार बन सकते हैं। इस आयोजन में रेडिको, सेफ एक्सप्रेस, ग्रीनप्लाई और कजारिया क्लासिक बेनेफैक्टर, और आर्कगेट का सहयोग मिल रहा है।

रिपोर्ट एवम फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल: 9829050939

मेयर चुनाव के लिए भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में मेयर पद पर वोटिंग के लिए अब केवल 2 दिन बचे हैं। दोनों ही पार्टियों के पार्षद अपने-अपने उम्मीदवार की जीत के लिए भगवान की शरण में जाकर उनका स्मरण करने लग गए हैं। चौमू पैलेस में मौजूद भाजपा के पार्षदों ने सुंदरकांड का पाठ किया।

पुष्कर मेले में रेल विकास प्रदर्शनी तथा स्पेशल ट्रेनों का संचालन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रेल प्रशासन द्वारा वर्तमान में जारी पुष्कर मेले रेलवे के विकास और वर्तमान गतिविधियों से संबंधित एक प्रदर्शनी लगाई गई है जिसे आमजन देख रहे हैं और सराह रहे है। प्रदर्शनी में आमजन रेलवे से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं। यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर- पुष्कर के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विवेक रावत के अनुसार इस रेल विकास प्रदर्शनी में रेलवे से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां वीडियो वॉल, बैनर व पोस्टर आदि के माध्यम से उपलब्ध कराई गयी है, इसमें रेलवे में किये गये तथा जारी विकास कार्यों को दर्शाया गया है, वंदे भारत ट्रेन, अजमेर रेल म्यूजियम, स्टेशन रि- डेवलपमेंट, रेल सुरक्षा, एक स्टेशन -एक उत्पाद, स्वच्छ रेलवे स्टेशन परिसर, रेस्टोरेंट्स ऑन रेल कोच, रोचक रेल तथा सतर्कता में ही सुरक्षा जैसी विभिन्न जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं। वीडियो वॉल पर प्रगति के पथ पर- उन्नति के रथ पर उत्तर पश्चिम रेलवे से संबंधित उपलब्धियों को गानों के माध्यम से दर्शाया गया है।

सांगाका बास में तीर्थंकर भगवान सम्भव नाथ का जन्म कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मन्दिर सांगाका बास ज़िला जयपुर जयपुर ज़िले की डूँगरी कला पंचायत के सांगाका बास जैन मन्दिर में मूल नायक जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर श्री 1008 भगवान सम्भव नाथ का जन्म कल्याणक मंगलवार को जोर शोर से भक्ति भाव व श्रद्धा के साथ मनाया गया। श्रावकों ने भगवान का अभिषेक कर विश्व शांति हेतु शांतिधारा की । शांति धारा का सोभाग्य माल चंद चोमू, सोभाग अजमेरा, कमलेश पाटनी, सुनील सेठी व बालक आदित बिलाला जनकपुरी जयपुर को मिला। इसके बाद समाज ने सम्भव नाथ भगवान की साज बाज के साथ संगीत मय पूजन व भगवान सम्भव नाथ का आचार्य विशद सागर जी लिखित विधान भक्ति के साथ किया । विधान करीब चार घंटे चला जिसमें सभी ने बिना किसी आकुलता के झूम झूम के भक्ति करते हुए सम्भव नाथ का जन्म कल्याण मनाया। संभव जिन के चरन चरचतें, सब आकुलता मिट जाए। निज निधि ज्ञान दरश सुख वीरज, निराबाध भविजन पावें छोटे से गाँव सांगाके बास के अतिशय कारी सम्भव नाथ का मंदिर करीब पाँच सो वर्ष पुराना बताते है तथा कहावत है कि हर असम्भव हो सम्भव, आयें सांगा का बास , सम्भव के दर्शन से , पूर्ण हो मन की सब आस।

दुर्गापुरा महिला मंडल द्वारा भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ दुर्गापुरा मे महिला मंडल दुर्गापुरा द्वारा भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रेखा लुहाडिया तथा मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि भक्तामर अनुष्ठान 48 दीपको द्वारा रिद्धि मंत्रो के साथ मंदिर जी प्रांगण में किया गया ।इस अवसर पर बड़ी संख्या मे मंडल सदस्य व श्रावक उपस्थित थे।

11- 12 नवंबर को पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर बापुनगर का प्रथम स्थापना दिवस एवं वार्षिक कलशाभिषेक आयोजित होगा

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मुनिश्री शुभम सागर महाराज ससंघ एवं आर्यिका श्री चिन्मयमति माताजी ससंघ के सानिध्य में 11- 12 नवंबर 2022 को पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर बापुनगर का प्रथम स्थापना दिवस एवं वार्षिक कलशाभिषेक आयोजित होगा। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि स्थापना दिवस 11 नवंबर को मुनिसंघ के सानिध्य में दोपहर 12:15 बजे पदमप्रभु मंडल विधान पूजा के बाद सायंकाल भक्तामर आरती होगी। रात्रि 7:30 बजे महिला मंडल के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति संध्या आयोजित होगी। इसी क्रम में 12 नवंबर को मुनिसंघ के सानिध्य में प्रातः सभी प्रतिमाओं पर 108 रिद्धि मंत्रों द्वारा अभिषेक व शांतिधारा होगी । दोपहर श्रीजी की स्थापना करने के बाद मुनिसंघ के सानिध्य में प्रतिभाओ, विशिष्ट सहयोग कताओं का सम्मान, मुनि संघ का प्रवचन, एवं वार्षिक कलशाभिषेक होगा। ट्रस्ट मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह की सभी तैयारियां तेजी से चल रही है जो पूर्णता की ओर है।

अजय रावत ने बालू मिट्टी से बनाया पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा का चित्र

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। राजस्थान पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा के पुष्कर मेले में सैंड आर्ट फेस्टिवल में आगमन पर उनका धोरों के जादूगर अजय रावत द्वारा बालू मिट्टी पर चित्र बनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा का माल्यार्पण कर व साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत अभिनंदन भी किया।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का जयपुर से मंगल विहार आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का बुधवार,09 नवम्बर को खानिया स्थित राणाजी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व माताजी ससंघ का भट्टारक जी की नसियां से राणाजी की नसियां के लिए मंगल विहार होगा। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ बुधवार को दोपहर 3.00 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार होकर सायंकाल 5.00बजे खानियां स्थित राणाजी की नसियां पहुंचेगी। इस मौके पर नसियां कमेटी माताजी ससंघ की भव्य अगवानी करेगी। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि माताजी ससंघ का जयपुर से महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए राणाजी की नसियां खानियां से गुरुवार,10 नवम्बर को सुबह 6.30 बजे मंगल विहार होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मस्से क्या हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

आजकल हर लेख में लिखा मिलता है मस्से एक दिन में गिर जाएंगे सिर्फ ये घरेलू उपाय करके देखें। मस्से को हटाने के घरेलू उपाय देखने से पहले ये जनना जरूरी है की ये मस्से होते क्यों है? पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से मस्से हो जाते हैं। इससे शरीर की सतह पर पिंपल्स के रूप में मस्से बन जाते हैं। जब मानव पेपिलोमा वायरस संक्रमित हो जाता है, तो केराटिन नामक प्रोटीन त्वचा की ऊपरी परत में जमा हो जाता है। केराटिन प्रोटीन त्वचा पर मुंहासों जैसे मस्सों के निर्माण के लिए जिम्मेदार होता है। **तो आइए जानते हैं इन मस्सों से छुटकारा पाने के कुछ सरल उपाय।** 1. बेकिंग सोडा ओर चूना. एक कटोरी में थोडा सा बेकिंग सोडा ले और उसमें खाने का चूना कली लेकर चम्मच से मिला ले. अब ये मिश्रण सलाई की मदद से मस्से पर लगाये. (मस्से में बहुत जलन होगी.) १० मिनट बाद इसे पानी से धो ले. अगले दिन आपको ये मस्से कमजोर दिखेगे। **(सावधान. ये उपाय करते समय ध्यान रखे की यह मिश्रण शरीर के अन्य जगह पर ना लगे. इस मिश्रण से त्वचा जल भी सकती हैं। कृपया सावधानी बरते)**

2. प्याज का रस -प्याज के रस को मस्से वाली जगह पर नियमित रूप से लगाएं। ऐसा करने से कुछ दिनों बाद मस्से धीरे-धीरे सूखकर अलग हो जाती है।

3. कटे हुए आलू को तुरंत मस्सों पर लगाने से बहुत फायदा होता है। एक आलू को काट कर तुरंत मस्सों पर मलें। ऐसा दिन में 3 से 4 बार करने से मस्से सूखकर गिर जाएंगे।

4. केले का छिलका। केला खाने के बाद हम हमेशा उसका छिलका फेंक देते हैं। लेकिन इन केले के छिलकों में कई गुण छिपे होते हैं। इन छिलकों का इस्तेमाल हम मस्सों से छुटकारा पाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को मस्से वाली जगह पर लगाकर रात भर कपड़े से बांध दें। अगर आप इस प्रयोग को हर रात कुछ दिन सोते हुए करते हैं तो आपको फर्क जरूर महसूस होगा।

5. प्रोहेरबेरियम पेट के कीड़े, फंगल संक्रमण और पेपिलोमा वायरस के संक्रमण के लिए एक प्रभावी उपाय है। इसमें हानिकारक सूक्ष्मजीवों को मारने, खराब ऊतकों को बहाल करने और जहरीले पदार्थों को हटाने का तीन गुना प्रभाव औषधी है। प्रोहेरबेरियम 7 दिनों के भीतर मस्सों को हटा देता है। (यह दवा की दुकानों में उपलब्ध नहीं है इसलिए आपको उनकी ऑफिसियल वेबसाइट से ऑर्डर करना होगा। प्रोहेरबेरियम के बारे में अधिक जानने के लिए इसकी ऑफिसियल वेबसाइट पर जाएँ या आप टिप्पणियों में भी पूछ सकते हैं।

6. मस्से को फ्लॉस करना यानि क्षार सूत्र से बांधना भी मस्से को दूर करने का एक तरीका है। मस्सों को फ्लॉस से बांधने से उनमें खून नहीं बहता है, जिससे मस्से सूख जाते हैं। आप उनका रंग बदलते हुए भी देखेंगे। कुछ दिनों के बाद वे सूख जाते हैं और गिर जाते हैं। (इससे दर्द होता है।)

7. बेकिंग सोडा मस्सों को दूर करने में काफी कारगर होता है। इसके लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा में अरंडी के तेल की कुछ बूंदें मिलाएं और इस मिश्रण को मस्से पर लगाएं और हाथों से मालिश करें। एक घंटे बाद उस जगह को साफ पानी से धो लें। इस उपाय को लगातार एक महीने तक करने से फर्क दिखने लगेगा। **नोट:** ऊपर बताए गए घरेलू नुस्खे मस्सों से छुटकारा पाने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इन उपायों को अपनाने से पहले आपको एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। क्योंकि आपको स्किन एलर्जी की समस्या हो सकती है। अगर आपको ऊपर दी गई जानकारी अच्छी लगी हो तो अपवोट करना न भूलें और अपने दोस्तों के साथ शेअर करें।

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर ने गायों को हरा चारा व सब्जियां वितरित की

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर द्वारा आज (कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को) देवाधिदेव 1008 भगवान-संभव नाथ जी के जन्म एवं तप कल्याणक के उपलक्ष्य में शिकार पूरा गौशाला में गोवंशो को खल, गुड़ एवं हरा चारा हरी सब्जियां खिलाया गया। ग्रुप अध्यक्ष विनोद जैन ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को एक गाड़ी हरा चारा गायों को वितरित करते हैं।

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी ने 261वा भक्तामर पाठ का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी ने 261 वा भक्तामर पाठ का आयोजन किया । ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने बताया कि जैन समाज मंगल विहार के सानिध्य में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मंगल विहार में रात्रि 7 .30 बजे से आदिनाथ भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ किया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि इस पाठ के कार्यक्रम में ऋद्धि मंत्रो के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर श्री जी के चरणों में समर्पित किए । ग्रुप सचिव अरुण पाटनी के अनुसार इस कार्यक्रम में प्रख्यात गायक कलाकार अशोक गंगवाल व सुभाष बज ने संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान कर सभी श्रावकों को भक्तिमय माहौल में रंग दिया । मन्दिर जी हेतु एक बड़ी दीवार घड़ी सुभाष शशि बज के सहयोग से भेंट की गई । मंदिर समिति की और से नवीन बिल्टी वाला व महेंद्र पाटनी ने ग्रुप सदस्यो का सम्मान किया सभी का धन्यवाद। आभार व्यक्त किया ।

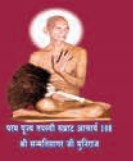

|| श्री चन्द्रप्रभ नमः ||
श्री दिगम्बर जैन मंदिर मारूजी, मारूजी का चौक, जौहरी बाजार जयपुर में
भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव
एवं विश्व शान्ति महायज्ञ
वात्सल्य आमंत्रण
दिनांक 10-11 नवम्बर 2022
पावन सान्निध्य
प.पू. मुनिकुंजर आचार्य 108 श्री आदिसागरजी (अंकलीकर) मुनिराज की परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश राष्ट्र संत,
आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज ससंघ (57 पिच्छी)
युवाग्रणि, प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती, संयम भूषण, राष्ट्र संत,
आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज
धर्मानुरागी महानुभाव,
सादर जय जिनेन्द्र !
अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हमारे पुण्योदय से जयपुर का हृदय स्थल जौहरी बजार के मारुजी का चौक स्थित श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर में जिनवेदियों का जीर्णोद्धार कार्य कर स्वर्ण कार्य से सुसज्जित कर श्रीजी को प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागरजी महाराज के सुशिष्य चतुर्थ पट्टाचार्य प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में विराजमान कराने के हमारे शुभ भाव हुए हैं। विधि विधान के समस्त कार्य शिक्षा गौरव, विधारत्न पं. डॉ. विमल कुमार जी जैन शास्त्री, जयपुर के प्रतिष्ठाचार्यत्व में सम्पन्न होंगे।
अतः आप सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से अनुरोध है कि इस भक्ति, ज्ञान, संयम की त्रिवेणी में सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारकर पुण्यार्जन करें।
इन्द्र-इन्द्राणियों की मेहन्दी रस्म
दिनांक 9 नवम्बर 2022
दोपहर 1.00 बजे
स्थान
शिवजी राम भवन, जौहरी बाजार, जयपुर
संगीतकार
नरेन्द्र कुमार जैन
वाईस ऑफ पिंक सिटी
आयोजन की श्रंखिकाएँ
गुरुवार, 10 नवम्बर 2022
कार्यक्रम स्थल
शिवजी राम भवन, जौहरी बाजार, जयपुर
प्रातः 6.30 बजे देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, पाण्डाल भवन शुद्धि, श्रीजी को पाण्डाल भवन में विराजमान, जाप्यानुष्ठान
प्रातः 8.00 बजे घटयात्रा (सनावनी मैंशन से) आचार्यश्री का ससंघ मंगल प्रवेश
प्रातः 8.40 बजे ध्वजारोहण, आचार्य निमन्त्रण, पाद-प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, मंगल प्रवचन, आहारचर्या
आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज का आचार्य पदोत्सव दिवस
प्रातः 11.15 बजे सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मण्डप प्रतिष्ठा
प्रातः 11.40 बजे नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा, पूजन
दोपहर 12.15 बजे यागमण्डल विधान
मध्याह 3.15 बजे जिनवेदिका शुद्धि व जिनवेदिका संस्कार क्रियायें
सायं मंगल भक्ति प्रवचन, गुरु भक्ति व अन्य कार्यक्रम
शुक्रवार, 11 नवम्बर 2022
प्रातः 6.30 बजे जाप्यानुष्ठान
प्रातः 7.00 बजे नित्यमह अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 8.30 बजे पूज्य आचार्यश्री के मंगल प्रवचन
प्रातः 9.30 बजे विश्व शांति महाअनुष्ठान
प्रातः 11.15 बजे श्रीजी जिनवेदिका में विराजमान
दिनांक 10 नवम्बर 2022 (मार्गशीर्ष कृष्णा 2)
आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज का आचार्य पदोत्सव दिवस
विधानाचार्य
ध्वजारोहणकर्ता
दीप प्रज्वलनकर्ता
चित्र अनावरणकर्ता
मुख्य मंगल कलश स्थापनकर्ता
सौधर्म इन्द्र
श्री विशाल जी-खुशबूजी टोंलिया
वेदी प्रतिष्ठा पुण्यार्जक
कुबेर
महायज्ञनायक
ईशान इन्द्र
प्रत्येन्द्र
श्री सचेश जी आशा जी छाबड़ा
श्री प्रमोद जी नमिता जी जैन
श्री प्रदीप जी सुनीता वैद
श्री अशोकजी सुवेश जी लोंग्या
श्री दीपक जी बबीता जी सोगानी
स्वर्ण सौभाग्यवती
आमंत्रित अतिथिगण
आचार्यश्री संघ की दैनिक दिनचर्या
प्रातः 3:00 बजे- जागरण
प्रातः 3 से 4 बजे तक- निजी स्वाध्याय
प्रातः 4 से 4.30 बजे तक - प्रतिक्रमण
प्रातः 4.30 बजे से 5.30 बजे तक - मौन ध्यान (सामायिक)
प्रातः 6:00 बजे से - श्रीजी का अभिषेक
प्रातः 6.30 बजे से - भक्ति पाठ एवं आचार्य वंदना
प्रातः 7.00 बजे से 8.20 तक - स्वाध्याय
प्रातः 8.30 बजे से - प्रवचन (शिवजी राम भवन)
प्रातः 10.00 बजे - आहारचर्या
मध्याह 12.00 बजे से 3.00 बजे तक - सामायिक, ध्यान, चिंतन, लेखन
दोपहर 3.00 बजे से 4.45 बजे तक - सामूहिक स्वाध्याय
सायं 5.30 बजे से 6.30 बजे तक - प्रतिक्रमण, भक्ति, आचार्य वंदना
सायं 6.45 बजे - आरती, धर्म चर्चा
सायं 7.30 बजे से 8.30 बजे तक - ध्यान
रात्रि 8.30 बजे से - वैयावृत्ति एवं विश्राम
परम शिरोमणि संरक्षक : श्री अशोक जी पाटनी (आर.के. मार्बल)
शिरोमणि संरक्षक - प्रदीप कुमार जी टोंलिया, अशोक जी चाँदवाड़, सुदीप जी टोंलिया, हेमन्त जी सौगानी, कमलबाबू जी जैन, सुनील जी बक्शी
अध्यक्ष
उपाध्यक्ष
मुख्य समन्वयक
मुकेश जी मनोज जी सोगानी
(एम.एस. ज्वैलर्स)
स्वागताध्यक्ष
संयोजक
अष्ट कुमारियाँ
संयोजक गण
नोट :
दिनांक 10 से 20 नवम्बर, 2022 तक
आचार्यश्री मुनि संघ का प्रवास
विचक्षण भवन
(शिवजी राम भवन के सामने)
एवं
आर्यिका संघ का प्रवास
लक्ष्मी भवन (महावीर स्कूल),
मोतीसिंह भोमियों का रास्ता
जौहरी बाजार, जयपुर में रहेगा।
आयोजक
प्रबन्ध समिति श्री दिगम्बर जैन मंदिर मारूजी
मारूजी का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर
निवेदक - सकल दिगम्बर जैन समाज जौहरी बाजार एवं जयपुर
वात्सल्य भोजन की व्यवस्था
शिवजी राम भवन में रहेगी।
यागमण्डल विधान में बैठने वाले अपना नाम सम्पर्क सूत्र के माध्यम से सम्पर्क करें
मो. 9928085649, 8560941402, 8955353073, 9460218838